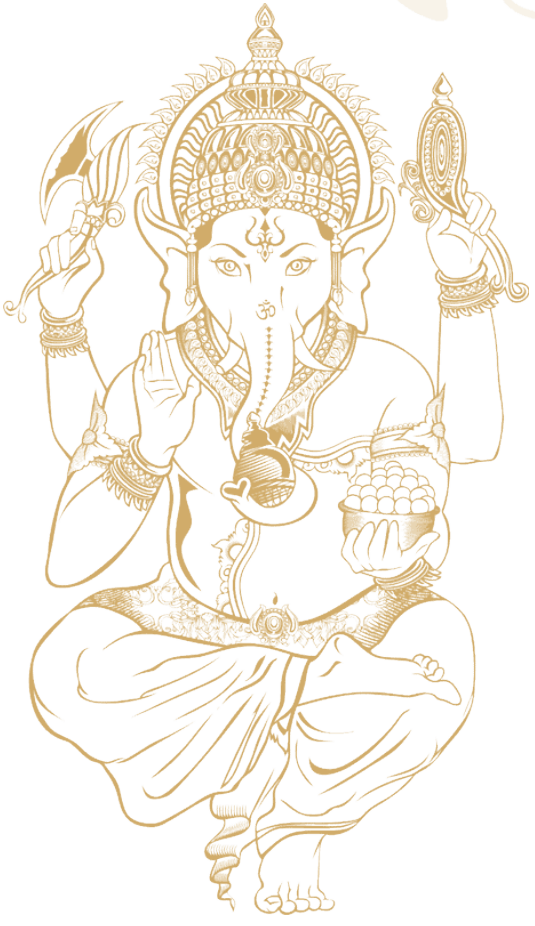

Shubham

31 Mar 2026

09:30 PM

Panjal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121786002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	37:49:49 घटी
स्थान	**Panjal**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	33:36:00 उत्तर
रेखांश	74:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:57:28 घंटे
वेलान्तर	-00:04:12 घंटे
साम्पातिक काल	09:33:38 घंटे
सूर्योदय	06:22:04 घंटे
सूर्यास्त	18:52:00 घंटे
दिनमान	12:29:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:43:18 मीन
लग्न के अंश	20:28:50 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	20:28:50	297:53:00	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
सूर्य			मीन	16:43:18	00:59:13	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	29:58:34	12:52:52	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	28:37:54	00:46:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	19:11:36	00:49:37	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:32:02	00:03:51	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	07:00:21	01:13:53	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:16:51	00:07:28	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:33:10	00:01:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:33:10	00:01:52	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:31:15	00:02:36	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:57:58	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:59:07	00:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	26:47:42	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

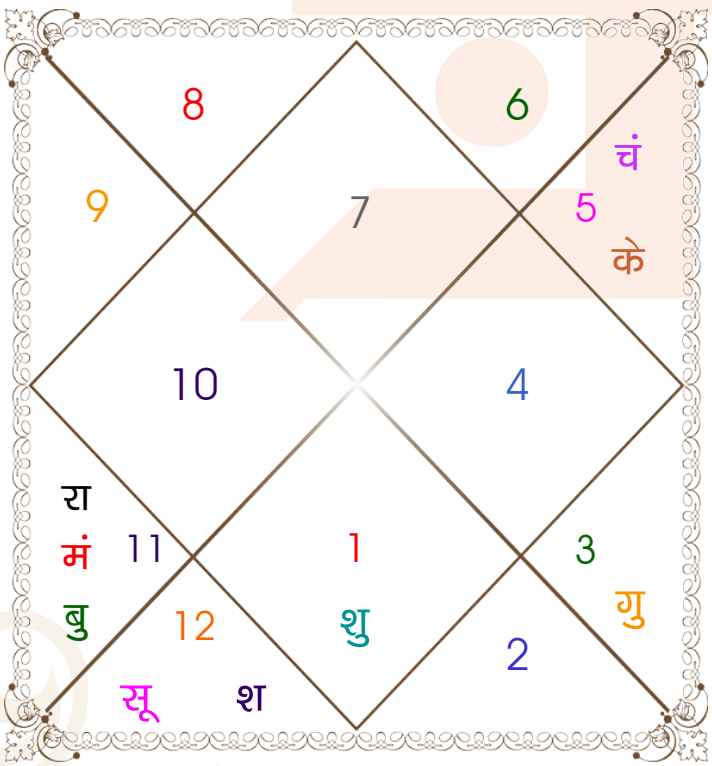

चन्द्र कुंडली

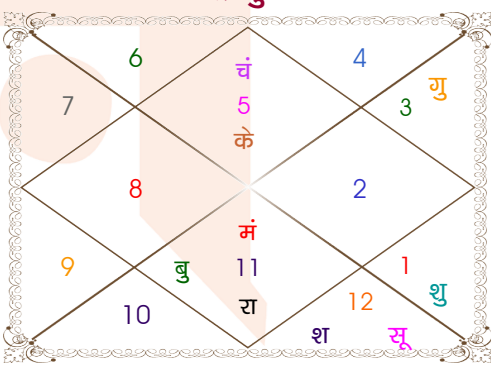

नवमांश कुंडली

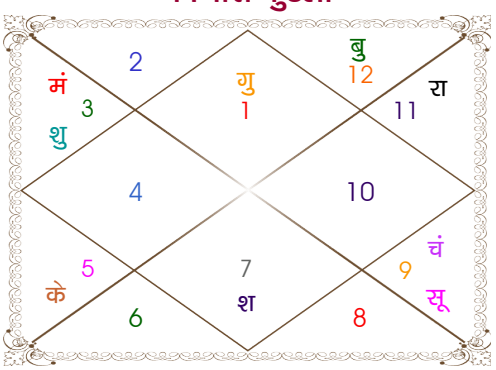

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 6 मास 3 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
31/03/2026		04/10/2030		03/10/2040		04/10/2047		04/10/2065	
04/10/2030		03/10/2040		04/10/2047		04/10/2065		04/10/2081	
	00/00/0000	चंद्र	04/08/2031	मंगल	02/03/2041	राहु	16/06/2050	गुरु	22/11/2067
	00/00/0000	मंगल	04/03/2032	राहु	20/03/2042	गुरु	09/11/2052	शनि	04/06/2070
	31/03/2026	राहु	03/09/2033	गुरु	24/02/2043	शनि	16/09/2055	बुध	09/09/2072
राहु	22/10/2026	गुरु	03/01/2035	शनि	04/04/2044	बुध	04/04/2058	केतु	16/08/2073
गुरु	10/08/2027	शनि	04/08/2036	बुध	01/04/2045	केतु	23/04/2059	शुक्र	16/04/2076
शनि	22/07/2028	बुध	03/01/2038	केतु	28/08/2045	शुक्र	23/04/2062	सूर्य	02/02/2077
बुध	29/05/2029	केतु	04/08/2038	शुक्र	28/10/2046	सूर्य	17/03/2063	चंद्र	04/06/2078
केतु	04/10/2029	शुक्र	04/04/2040	सूर्य	05/03/2047	चंद्र	15/09/2064	मंगल	11/05/2079
शुक्र	04/10/2030	सूर्य	03/10/2040	चंद्र	04/10/2047	मंगल	04/10/2065	राहु	04/10/2081

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/10/2081		04/10/2100		05/10/2117		04/10/2124		04/10/2144	
04/10/2100		05/10/2117		04/10/2124		04/10/2144		00/00/0000	
शनि	06/10/2084	बुध	03/03/2103	केतु	03/03/2118	शुक्र	04/02/2128	सूर्य	22/01/2145
बुध	17/06/2087	केतु	28/02/2104	शुक्र	03/05/2119	सूर्य	03/02/2129	चंद्र	24/07/2145
केतु	25/07/2088	शुक्र	29/12/2106	सूर्य	08/09/2119	चंद्र	05/10/2130	मंगल	28/11/2145
शुक्र	25/09/2091	सूर्य	05/11/2107	चंद्र	08/04/2120	मंगल	05/12/2131	राहु	01/04/2146
सूर्य	06/09/2092	चंद्र	05/04/2109	मंगल	04/09/2120	राहु	05/12/2134		00/00/0000
चंद्र	07/04/2094	मंगल	02/04/2110	राहु	23/09/2121	गुरु	05/08/2137		00/00/0000
मंगल	17/05/2095	राहु	20/10/2112	गुरु	29/08/2122	शनि	04/10/2140		00/00/0000
राहु	23/03/2098	गुरु	26/01/2115	शनि	08/10/2123	बुध	05/08/2143		00/00/0000
गुरु	04/10/2100	शनि	05/10/2117	बुध	04/10/2124	केतु	04/10/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 6 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।